भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर,कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केन्द्र, राँची में आम महोत्सव -सह- किसान मेला एवं आम प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

दिनांक 7 जून, 2023 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर , कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केन्द्र, प्लाण्डु में आम महोत्सव -सह- किसान मेला का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल माननीय श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने मंगलदीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर श्री अबुबक्कर सिद्दीख, सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार, राँची तथा डा. सुरेश कुमार चौधरी, उप महानिदेशक (प्रा.सं.प्र.) , भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद , नई दिल्ली अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस आयोजन में देश के पूर्वी राज्यों के 350 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

आम महोत्सव -सह- किसान मेला के अवसर पर महामहिम राज्यपाल ने बधाई दी और कहा कि यह केवल स्वादिष्ट आमों का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारे किसानों के प्रयासों और समर्पण को सलाम है । कृषि हमारे राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हमारे सुखी और अन्नदाता किसानों की समृद्धि से ही समृद्ध झारखंड का निर्माण हो सकता है। हमें किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजने में सक्रिय रहना चाहिए। यह आम उत्सव आम की नई किस्मों, अत्याधुनिक तकनीकों और नवीन उत्पादों को लोकप्रिय बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

इस मौके पर महामहिम राज्यपाल द्वारा पूर्वी भारत के विभिन्न राज्यों से आये प्रगतिशील किसानों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया एवं संस्थान के वैज्ञानिकों को भी उत्कृष्ट अनुसंधान कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। साथ ही उन्होंने केंद्र के प्रकाशनों तथा केंद्र द्वारा निर्मित प्रसंस्कृत उत्पाद, 'स्वर्ण मैंगो मसाला रोल' का विमोचन किया। महामहिम राज्यपाल द्वारा इस अवसर पर आम की विभिन्न उन्नत किस्मों की प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया जिसमें केन्द्र द्वारा संरक्षित लगभग सौ से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए। साथ ही इस प्रदर्शनी में, किसानों द्वारा लाई गई अनेक आम की किस्में भी शामिल की गई ।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के निदेशक डा. अनुप दास द्वारा आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान की गतिविधियों, कृषि अनुसंधान एवं विकसित एवं हस्तांतरित कृषि तकनीकों , शोध प्रकाशनों, प्राप्त पुरस्कारों आदि का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया ।

श्री अबुबक्कर सिद्दीख, सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड ने कहा कि आम आधारित कृषि प्रणाली को अपनाकर किसान अपनी आय को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पारम्परिक कृषि के स्थान पर आधुनिक कृषि प्रणाली को अपनाकर कई परिवारों को रोजगार एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा सकती है । उन्होंने राज्य उपस्थित किसानों को राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया ।

डा. सुरेश कुमार चौधरी , उप महानिदेशक (प्रा.सं.प्र.) , भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने कहा कि देश के पूर्वी पठारी भाग की जलवायु बागवानी फसलों की खेती के लिए अत्यंत अनुकूल है तथा इस क्षेत्र के अधिकांश किसान आम की खेती करते हैं। आम के वृक्ष फल देने के साथ-साथ ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव को कम करने, मिट्टी की उर्वरा शक्ति एवं नमी को बनाये रखने में सहायक हैं जिससे पर्यावरण संतुलन बना रहता है। संस्थान के निदेशक डा. अनुप दास ने इस अवसर पर बताया कि अनुसंधान केन्द्र , प्लाण्डु द्वारा आम की उत्पादकता बढ़ाने हेतु कई उन्नत तकनीकों का विकास किया गया है। इन्हें अपनाकर किसान अपने आम के बागों से अधिक उत्पादन ले सकते हैं। इस आम महोत्सव -सह- किसान मेला से किसानों को आम की खेती की उन्नत तकनीकों को अपनाकर लाभान्वित होंगे।